सुरह अल काफिरून हिंदी में

बि स्मि ल्ला ह-हि र्रहमा न-नि र्रही म

अल्ला ह के ना म से, जो बड़ा मेहरबा न नि हा यत रहम बा ला है।

1. कुल या अय्युहल का फि रून

कह दो (पैगम्बर सल्लल्ला हो अलैह बसल्लम), ऐ का फ़ि रों

2. ला अ अबुदु मा ता बुदून

न तो मैं उसकी सच्चे मन से इबा दत करता हूँ, जि सकी तुम इबा दत करते हो ।

3. वला अन्तुम आ बि दूना मा अ अबुद

और न ही मैं उसको पूजता हूँ, जि सको तुम पूजते हो ।

4. वला ना आबि दुम मा अबद्तुम

और मैं उसकी इबा दत कभी नहीं करूंगा , जि सकी इबा दत तुम करते हो ।

5. वला अन्तुम आबि दूना मा अअ बुद

और न ही तुम उसकी इबा दत करो गे, जि सकी मैं इबा दत करता हूँ।

6. लकुम दी नुकुम वलि य दी न

तो ठी क है, तुम्हा रे लि ए तुम्हा रा दी न (धर्म) है , मेरे लि ए मेरा दी न (धर्म) है।

QURANHINDI.IN